हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 211 | 29 जुलाई 2025 मंगलवार | हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य ×2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहसः भारतीय जेट तबाह होने पर राजनाथ बोले...

परीक्षा में रिजल्ट की अहमियत

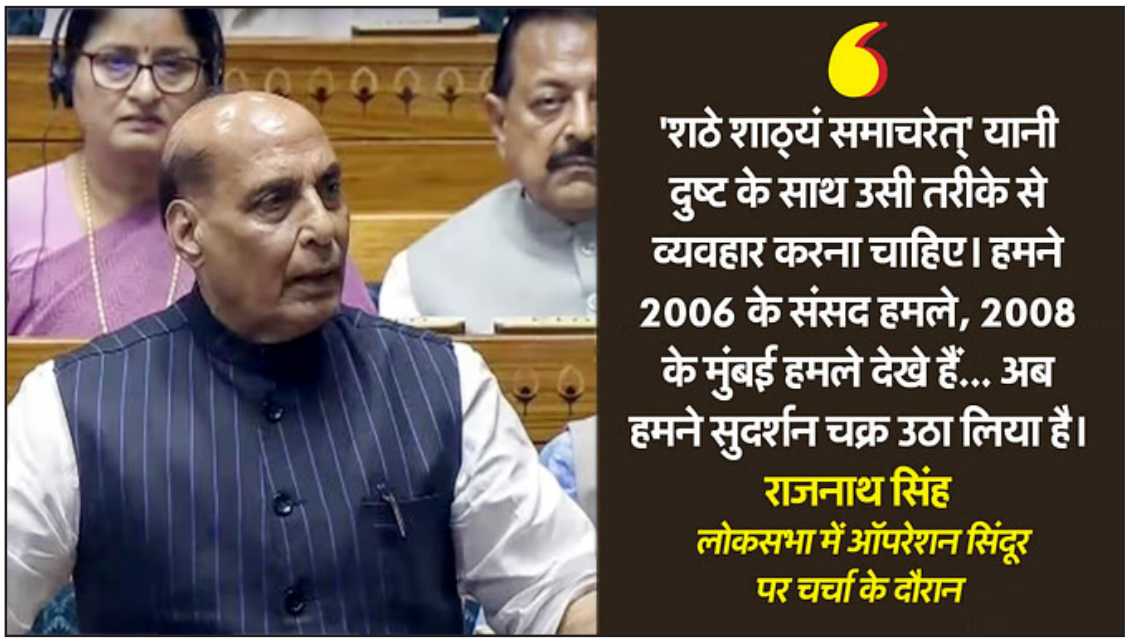

- कितनी पेंसिल टूटीं या पेन गुमे, यह बेमानीः राजनाथ सिंह
- अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है, आतंकी हमलों का जिक्र कर गरजे रक्षा मंत्री राजनाथ

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमें भगवान कृष्ण से सीखना चाहिए कि धर्म की रक्षा के लिए अंत में सुदर्शन चक्र उठाना पड़ता है। दुष्ट के साथ उसी तरीके से व्यवहार करना चाहिए। हमने 2006 के संसद हमले, 2008 के मुंबई हमले देखे हैं। और अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्ती की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें भगवान कृष्ण से सीखना चाहिए कि धर्म की रक्षा के लिए अंत में सुदर्शन चक्र उठाना पड़ता है। रक्षा मंत्री ने एक संस्कृत मंत्र का उच्चारण करते हुए कहा कि श्शठे शाठ्यं समाचरेत्श यानी दुष्ट के साथ उसी तरीके से व्यवहार करना चाहिए। हमने 2006 के संसद हमले, 2008 के मुंबई हमले देखे हैं। अब हमने कहा कि बस अब काफी हो गया और अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ और सशक्त कदम उठा रहा है। हाथ उखाड़ना भी जानते हैं– रक्षा मंक्षी रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि भारत शांति चाहता है, लेकिन जो अशांति फैलाते हैं, उनके खिलाफ कड़ा कदम उठाने में भी हम पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि अगर हम शांति के लिए हाथ बढ़ाना जानते हैं, तो अशांति फैलाने वालों के हाथ भी उखाड़ना जानते हैं। दुष्टों के साथ दुष्टता का ही व्यवहार करना चाहिए। आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई पर जोर राजनाथ सिंह ने बताया कि भारत की लड़ाई अब सिर्फ सीमा पर ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी आतंकवाद के खिलाफ जारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय समिति बनाई है जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह समिति दुनिया भर के मंचों पर जाकर भारत की बात रख रही है और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन को मजबूत कर रही है। रक्षा मंत्री प्रतिनिधिमंडलों का जताया आभार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश और विदेश में उन सभी प्रतिनिधिमंडलों का आभार जताया, जिन्होंने भारत के आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी विश्वभर में फैलाने में मदद की।

पहलगाम हमले पर चिदंबरम के बयान से बवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के घरेलू आतंकियों वाले बयान पर भाजपा ने तीखा हमला बोला है। चिदंबरम ने पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए, जिसे लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का आरोप लगाया। इस दौरान भाजपा नेता अमित मालवीय और शहजाद पूनावाला ने भी कांग्रेस को जमकर सुनाया। संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस से ठीक पहले कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम के एक बयान ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सवाल उठाए कि क्या हमले में शामिल आतंकी वाकई पाकिस्तान से आए थे? क्या इस बात के सबूत हैं? उन्होंने यह भी कहा कि हमले में घरेलू आतंकी भी हो सकते हैं। इस बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला और आरोप लगाया कि वह हमेशा दुश्मनों की तरफदारी करती है और पाकिस्तान को क्लीन चिट देती है। पी. चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में कहा कि सरकार यह साफ नहीं कर रही कि नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने हमले के बाद क्या काम किया है। आतंकियों की पहचान पर उठाया सवाल इसी दौरान चिदंबरम ने ये भी कहा कि क्या उन्होंने(सरकार) आतंकियों की पहचान की है? क्या यह पक्का है कि वे पाकिस्तान से ही आए थे? इसके साथ ही चिदंबरम ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए नुकसान छिपाने का भी आरोप लगाया। चिदंबरम ने कहा कि जंग में दोनों पक्षों को नुकसान होता है। ब्रिटेन ने वर्ल्ड वॉर में रोजाना अपने नुकसान बताए। भारत को भी ऐसा करना चाहिए। सरकार सब कुछ छुपा रही है। चिदंबरम ने पीएम मोदी को भी घेरा कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर नहीं बोल रहे हैं। उन्होंने पूछा कि जब पीएम मोदी देश को संबोधित कर सकते हैं, रैलियों में भाषण दे सकते हैं, तो संसद में क्यों नहीं बोल रहे? चिदंबरम ने यह भी आरोप लगाया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा खुद भारत ने नहीं बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की थी। क्या सरकार इस पर चर्चा से घबरा रही है?

रिजिजू की विपक्ष को दो टूक

- संसद में 'लक्ष्मण रेखा' पार न करने की दी चेतावनी, कहा– पाकिस्तान की भाषा न बोलें

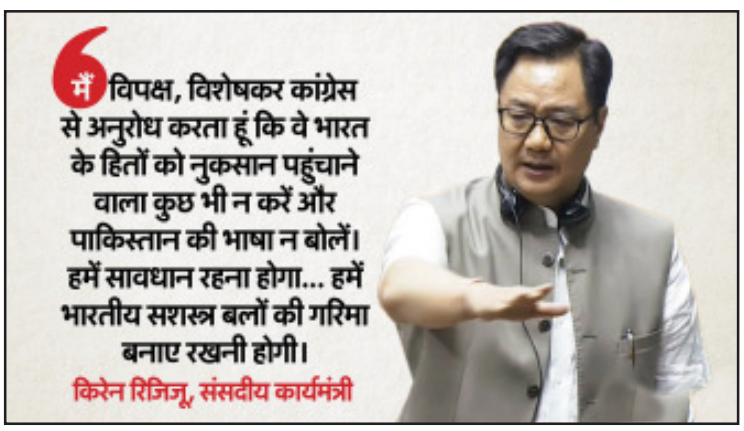

नई दिल्ली,(एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर बहस से ठीक पहले कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम के एक बयान ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सवाल उठाए कि श्क्या हमले में शामिल आतंकी वाकई पाकिस्तान से आए थे? क्या इस बात के सबूत हैं?श आज लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से लोकसभा में चर्चा के दौरान लक्ष्मण रेखा पार न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सोच–विचारकर बोले ताकि पाकिस्तान विपक्षी नेताओं के बयानों को अपने हित में इस्तेमाल न कर पाए। पाकिस्तान की भाषा न बोले विपक्ष संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में आज ऑपरेशन सिंदूर को लेकर होने वाली चर्चा पर विपक्ष को आगाह करते हुए कहा कि श्मैं विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस से अनुरोध करता हूं कि वे भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने वाला कुछ भी न करें और पाकिस्तान की भाषा न बोलें। हमें सावधान रहना होगा... हमें भारतीय सशस्त्र बलों की गरिमा बनाए रखनी होगी। कांग्रेस और विपक्ष को ऐसा कुछ भी नहीं बोलना चाहिए जिससे राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचे। वे भारत के खिलाफ जो कुछ भी बोलते हैं, उसका इस्तेमाल पाकिस्तानियों और भारत के बाहरी दुश्मनों द्वारा किया जाता है। किरेन रिजिजू के बयान पर कांग्रेस का पलटवार वहीं केंद्रीय मंत्री के बयान पर कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अब रिजिजू हमें सिखाएंगे कि देशहित में हमें क्या बोलना चाहिए और क्या नहीं? सांसद चौधरी ने आगे कहा कि पहले उन्हें अपनी पार्टी के नेताओं और खुद की जुबान पर लगाम लगानी चाहिए। श्रावण ने लक्ष्मण रेखा पार की, तो लंका जल गईश संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा है। कि जब उसने भारत की खींची हुई रेड लाइन (सीमा) पार की, तो आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया गया। रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जब रावण ने लक्ष्मण रेखा पार की, तो लंका जल गई। जब पाकिस्तान ने भारत की सीमा लांघी, तो उसके आतंकी कैंपों पर कहर टूटा। लोकसभा में होनी है ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा लोकसभा में आज जम्मू–कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले और फिर उसके जवाब में मई में भारतीय सेना द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होनी है। ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा के लिए 16 घंटे का समय तय किया गया है। ऐसे में आज संसद के हंगामेदार रहने का अनुमान है। चिदंबरम के बयान से सियासी तूफान वहीं संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस से ठीक पहले कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम के एक बयान ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है।

अवसानेश्वर मंदिर में बड़ा हादसा, करंट से भगदड़,दो श्रद्धालुओं की मौत, दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल

मुख्यमंत्री ने जताया दुख,डीएम से तलब की रिपोर्ट

लखनऊ, संवाददाता। बाराबंकी जिले के अवसानेश्वर मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु लगाये गये टीन शेड और पाइप में उतर आए करंट की चपेट में आने से बड़ा हादसा हो गया। एक मृतक की पहचान प्रशांत पुत्र राम गोपाल निवासी मुबारकपुर थाना लोनीकटरा के रूप में हुई है, दूसरे मृतक की पहचान में प्रशासन जुटा था,जिसकी पहचान रमेश कुमार रावत के रूप में हुई है। औसानेश्वर हादसे में मृतको में रमेश कुमार रावत पुत्र स्व राम सजीवन निवासी ग्राम नकटा सेहेरिया थाना कोठी और प्रशांत कुमार रावत पुत्र रामकृपाल रावत निवासी ग्राम मुबारकपुर थाना लोनी कटरा है। बाराबंकी हादसे को लेकर सीएम योगी ने दुःख प्रकट किया है।उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की और घायलों के समुचित उपचार के लिये डॉक्टरों को निर्देश दिए हैं। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री ने डीएम बाराबंकी को 24 घण्टे में रिपोर्ट देने को भी कहा है।भगदड़ में कई लोग घायल हुए। लोगो का

कहना है कि दो दर्जन से ज्यादा लोग करंट की चपेट में आए हैं।यह घटना सोमवार सुबह करीब तीन बजे की है। सावन का सोमवार होने की वजह से श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा थी। लोगों का कहना था कि एक बंदर के बिजली के तार पर कूदने से तार टूट गया। उस समय वहां पर तार टूटने और उसकी वजह से करंट उतर आने की बात फैल गई। करंट की बात सुनकर भगदड़ मच गई। इस घटना के बाद मंदिर के हालात सामान्य बताए जा रहे हैं।घटना के बाद मौके पर भारी पुलिस बल पहुंच गया। घायलों को एंबुलेंस से हैदरगढ़ और त्रिवेदीगंज सीएचसी भेजा गया। डीएम बाराबंकी शशांक त्रिपाठी, एसपी अर्पित विजयवर्गीय और आला अफसर मौके पर पहुंचे। उनका कहना है कि कुछ बंदर बिजली के तार पर कूद गए थे, जिससे तार टूटकर मंदिर परिसर के टिन शेड पर गिर गया। इसी कारण करंट फैला और भगदड़ की स्थिति बन गई। डीएम ने बताया कि 19 लोग करंट की चपेट में आए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक मृतकों में दो लोग प्रशांत (22)पुत्र रामकृपाल मृतक मुबारक पुर लोनीकटरा दूसरे मृतक (25) वर्षीय अज्ञात की पहचान नही हो पाई है। प्रशासन पहचान के लिए प्रयास कर रहा है।घायलो मेंरंजीत (26)पुत्र साहब दीनए मोहदीपुर सतरिख,पलक(13)पुत्री रंजीत राम, छतौरा कोठी,संध्या(24) पुत्री महेशभुलभुलिया कोठी,सुंदरम सिंह (14) पुत्र सरतेज, मोहदीपुर कोठी,लक्ष्मी(18)पुत्री पवन, बिबियापुर घाट कोठी,अमन(18)पुत्र बाबादीन ग ढ ी द्दा ा ` ि स य ा म ऊ सुबेहा,बैजनाथ(22)पुत्र जगजीवन, सुबेदार पुरवा हैदरगढ को त्रिवेदीगंज सीएचसी से जिला अस्घ्पताल रेफर किया गया हैं।

धर्मातरण गिरोह के खिलाफ विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने निकाला भगवा मार्च

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण के नेटवर्क का खुलासा करने वाले विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय को मिल रही धमकियों के खिलाफ सोमवार को भगवा मार्च निकाला गया। परिषद के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिलाधिकारी के जरिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गोपाल राय के साथ–साथ धर्मांतरण के शिकार रहे पीड़ितों को तत्काल सुरक्षा दिए जाने की मांग की है। संगठन के राष्ट्रीय प्रभारी सैयद नकवी ने कहा कि गोपाल राय ने धर्मान्तरण के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। सैकड़ो हिंदू परिवारों को जबरन धर्मान्तरण होने से बचाया है। छांगुर का धर्मांतरण रैकेट बलरामपुर से लेकर सऊदी अरब और दुबई तक फैला हुआ है। इस रैकेट के खुलासे के बाद उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही है। उन्हें सऊदी अरब और पाकिस्तान से धमकियां बड़े फोन कॉल आ रहे हैं। आजमगढ़ से सोशल मीडिया के माध्यम से धमकियां मिल रही है। ज्ञापन में संगठन की ओर से यह उल्लेख किया गया है कि छांगुर के चुंगल से मुक्त कराए गए 15 हिंदू परिवारों की घर वापसी भी गोपाल राय की अगुवाई में की गई थी। इस कारण सामाजिक तत्वों द्वारा वह लगातार निशाने पर है। किसी भी समय उन पर जानलेवा हमला हो सकता है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने समय रहते सुरक्षा नहीं दी और किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

भारतीय सेना के पास और समय होता तो वह पीओके पर कब्जा कर लेती : अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सैनिकों के पराक्रम के लिए सोमवार को उन्हें बधाई दी और कहा कि अगर उनके पास और समय होता तो वे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर भी कब्जा कर लेते। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार वोट बटोरने के लिए पाकिस्तान के बारे में बात करती है, लेकिन असली खतरा चीन है। अखिलेश यादव ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पराक्रम प्रदर्शित करने और परिस्थितियों से निपटने के लिए हम सेना को बधाई देते हैं। अगर उन्हें और समय मिलता, तो शायद वे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर भी नियंत्रण कर लेते।'' सपा प्रमुख ने सवाल किया कि पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी अब तक क्यों फरार हैं। उन्होंने पूछा, ''आतंकवादी कहां गायब हो गए? चीन को पाकिस्तान से भी बड़ा खतरा बताते हुए उन्होंने केंद्र सरकार से चीन से आयातित वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए नीति बनाने का आग्रह किया। अखिलेश यादव ने कहा, ''सरकार को चीन से आयात पर 10 साल के लिए प्रतिबंध लगाने का फैसला करना चाहिए।

योगी ने सुनी 'जनता दर्शन' में पीड़ितों की फरियाद, अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश दिए

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन में आए प्रदेशभर से लगभग 60 से अधिक फरियादियों की शिकायत सुनी और संबंधित अधिकारियों को उसके निस्तारण के निर्देश दिए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री हर पीड़ित के पास स्वयं पहुंचे, समस्याएं सुनीं, प्रार्थनापत्र लिया और समाधान के लिए आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नागरिक की समस्याओं का समाधान कर खुशहाल उत्तर प्रदेश बनाना ही सरकार की प्राथमिकता है। 'जनता दर्शन में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, रोजगार, शिक्षा, आवास, कब्जा, परिवार आदि से जुड़े मामले आए, जिस पर प्रार्थनापत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को दिया। जनता की समस्या सुनते हुए योगी ने अधिकारियों को संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन में अभिभावकों के साथ आए बच्चों को दुलारा–पुचकारा व चॉकलेट–टॉफी प्रदान किया और उज्ज्वल भविष्य बनाने का आशीर्वाद दिया।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
छपाई
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन
द्वारा साफ सुन्दर
एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

पुलिस द्वारा अधिवक्ता की पिटाई मामले ने पकडा तूल , अधिवक्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, कोतवाली में सिपाही के खिलाफ दी तहरीर

(भव्य प्रभात)

हाथरस। सासनी कोतवाली में एक सिपाही द्वारा अधिवक्ता के साथ अभद्रता और उसकी पिटाई करना भारी पड गया। अधिवक्ताओं में भारी रोष व्याप्त हो गया। अधिवक्ताओं ने कथित सिपाही के खिलाफ कार्रवाई हेतु एसडीएम नीरज शर्मा को ज्ञापन सौंपा और कोतवाली में घटना की तहरीर दी है। सोमवार को एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में अधिवक्ता राजेश कुमार लवानियां एडवोकेट पुत्र श्री सुरेश चन्द्र शर्मा निवासी मोहल्ला बारहसैनी के साथ ज्ञापन देते हुए अधिवक्ताओं ने कहा है कि राजेश लवानियां एडवोकेट तथा उनका पुत्र हर्षित लवानिया एडवोकेट तहसील सासनी में विधिक व्यवसाय करते है। घटना दिनाक सत्ताईस जुलाई को सुबह करीब ग्यारह बजकर पैंतालीस मिनट की है राजेश लवानियां का पुत्र

मेरे मकान निर्माण के ठेकेदार रामकिशोर निवासी नगला मियां सासनी देहात के विरुद्ध प्रार्थना पत्र देने गया था। प्रभारी निरीक्षक ने उस पर आदेश करके दे दिया और बाहर आया तभी थाने में तैनात पुलिस कर्मी ने उस को रोक लिया तथा पुत्र को गली देते हुए कहने लगा कि मैंने तुम्हारा फैसला करा दिया है, मिस्त्री को 15000ध – रूपये दे दो तब राजेश लवानियां एडवोकेट के पुत्र हर्षित लवानियां एडवाकेट ने कहा कि आप भली भांति जानते हैं, कि में अधिवक्ता हूँ। यह सुनकर कथित सिपाही और उग्र हो गया और सभी अधिवक्ताओं के लिये अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए हर्षित लवानियां एडवोकेट को लात व थप्पड़ मारे जिससे मेरे पुत्र को गंभीर चोट आईं। थाने में उपस्थित पत्रकार नीतू कुमार शर्मा व धर्मेन्द्र चौधरी पत्रकार मौजूद थे। उन्होंने कथित सिपाही से कहा कि यह अधिवक्ता है ऐसा क्यूँ कर रहे हो तब कथित सिपाही नीतू शर्मा के पीछे भागा तो हर्षित लवानियां एडवोकेट मोबाइल से वीडियो बनाने लगा तब कथित सिपाही ने उसका फोन तोड़ दिया और जान से मारने कि धमकी देकर चला गया। अधिवक्ताओं ने सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। वहीं दूसरी ओर अधिवक्ता राजेश लवानियां ने कोतवाली में भी एक तहरीर देते हुए कथित सिपाही के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करने हेतु तहरीर दी है।

स्कूल बस पर गिर एचटी लाईन का तार बड़ा हादसा होने से बचा

(भव्य प्रभात)

हाथरस। जाको राखे साईंया मार सके न कोय, बाल न बांका कर सके जो जग बैरी होय यह कहाबत आज एबीजी गुरुकुलम की स्कूल बस पर एचटी लाईन का तार गिरने के बाद चरितार्थ हो गई। तार टूटकर गिरने के बाद बस में आग लग गई। मगर तब तक बच्चे बस से उतर चुक थे, और एक बडा हादसा होने से टल गया। सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार एबीजी गुरुकुलम की स्कूल बस विजयगढ़ से बच्चों को लेकर स्कूल पहुंची थी, बच्चों को उतारने के बाद चालक नौहवत सिंह किसी काम से बस से उतरकर काम करने लग गया बस को स्कूल के गेट के बाहर खड़ी कर दी तथा परिचालक पप्पू बस में बैठकर खाना खाने लगा। तभी अचानक एचटी लाईन का तार टूटकर बस पर गिर गया। तार गिरते ही बस में आग लग गई, आग लगने वहां मौजूद लोगों में खलबली मच गई। आग लगते ही परिचालक ने बस से कूद गया किसी प्रकार उसने अपनी जान बचाई। उधर सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने बडी मुश्किल से आग पर काबू पाया। आग लगने के कारण बस में हजारों का नुकसान हो गया। विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने भी फौरी कार्रवाई करते हुए एचटी लाइन को दुरुस्त किया। गनीमत रही कि घटना के दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। अगर बस में बच्चे होते तो बहुत बड़ा हादसा हो सकता था।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले 21 को होगी अगली सुनवाई

हाथरस। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि के परिवाद पर अब अगली सुनवाई 21 अगस्त को होगी। राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने न्यायालय के निर्णय की जानकारी होने के बावजूद न्यायालय से दोषमुक्त हुए युवकों को सामूहिक बलात्कार का आरोपी बताया था। हाथरस की एमपीध एमएलए कोर्ट में लोकसभा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ यह मुकदमा दाखिल किया गया था। मामले को लेकर परिवादी के अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंडीर ने जानकारी देते हुए बताया कि रामकुमार के अलावा लवकुश और रवि ने भी राहुल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर कर रखा है। अब तीनों में एक साथ 21 अगस्त को साक्ष्य प्रस्तुत होंगे और उसके बाद न्यायालय द्वारा राहुल गांधी को नोटिस भेजा जाएगा। इसके चलते अगली सुनवाई 21 अगस्त को होगी। अधिवक्ता की मानें तो थाना चंदपा क्षेत्र के गांव बूलगढ़ी निवासी रामकुमार उर्फ रामू ने राहुल गांधी के खिलाफ यह मुकदमा दायर किया है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने 12 दिसंबर 2024 को गांव बूलगढ़ी का दौरा किया था। यहां उन्होंने वोट की राजनीति के लिए जातिगत विद्वेष बढ़ाने के उद्देश्य से मृत मुद्दे को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया। आरोप है कि राहुल गांधी ने उन्हें समाज में अपमानित किया और चारित्रिक हनन के उद्देश्य से अपने एक्स अकाउंट पर उनके खिलाफ बयान पोस्ट किया। इस मामले में न्यायालय में परिवादी की ओर से दो गवाहों के बयान पहले दर्ज हो चुके हैं।

सुनवाई न होने पर पीड़िता ने थाने में खाया जहर, उपचार जारी

(भव्य प्रभात)

हाथरस। हाथरस जंक्शन पर दो पक्षों के बीच जमीनीं विवाद को लेकर हुई मारपीट पर थाने पर सुनवाई न होने पर युवती ने थाने में खाया जहर। हाथरस जंक्शन कोतवाली में आज उस समय खलबली मच गई जब एक युवती ने थाने के गेट पर ही जहर खा लिया। जहर खाने के बाद युवती ने अंदर पहुंचकर पुलिस को बताया तो आनन–फानन में युवती को पुलिसकर्मी तुरंत जिला अस्पताल लेकर आए, जहां उसका उपचार किया गया। मामला यह है कि कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव नगला – सिंघा में दो पक्षों के बीच मेड और जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी विवाद में बीते 2 दिन पहले दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ था। जिसमें पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई भी की थी। आज फिर इसी मामले को लेकर झगड़ा हो गया। शिकायत करने के लिए एक पक्ष से पूजा सेंगर पुत्री रामबाबू थाना हाथरस जंक्शन पहुंची। तो उस समय कोतवाली निरीक्षक सत्येंद्र सिंह राघव वहां मौजूद नहीं थे। बताया जाता है कि अन्य पुलिस कर्मियों ने उसकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया और उसे वापस भेज दिया। इसके बाद युवती थाने से बाहर गई और जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

रेवती मैया मेले में संस्कार भारती के तत्वावधान में आयोजित होने वाले विशाल कवि सम्मेलन की तैयारियों की पदाधिकारियों ने की समीक्षा

(भव्य प्रभात)

हाथरस। किला परिसर में चल रहे रेवती मैया मेले में संस्कार भारती के तत्वावधान में मंगलवार को आयोजित होने वाले विशाल कवि सम्मेलन की तैयारियों की संस्कार भारती के पदाधिकारियों ने समीक्षा की। कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रांतीय समिति से आए साहित्य विधा के प्रांतीय सह संयोजक कुंवर पाल भंवर, प्रांतीय संरक्षक आशुकवि अनिल बौहरे ने जिला पदाधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। इससे पूर्व संस्कार भारती के जिलाध्यक्ष चेतन उपाध्याय, जिला महामंत्री एआर शर्मा ने प्रांतीय सह संयोजक कुंवर पाल भंवर व प्रांतीय संरक्षक आशुकवि अनिल बौहरे का माल्यार्पण कर व पटका पहना कर स्वागत किया। इस मौके पर आशुकवि अनिल बौहरे ने बताया कि रेवती मैया मेले में 29 जुलाई को आयोजित होने वाले विशाल कवि सम्मेलन में काव्य पाठ का शुभारम्भ वरिष्ठ हास्य कवि सुरेन्द्र शर्मा को उनके 80 वें जन्मदिन की बधाई प्रेषित कर किया जावेगा। जिला कोषाध्यक्ष श्याम बाबू चिंतन ने सभी काव्य प्रेमियों से कवि सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

स्वापो द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। पुलिस लाइन स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर स्वापो संस्थान द्वारा एक प्रेरणादायक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा स्वयं पौधारोपण कर किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 15 पौधे (अशोक एवं नीम) रोपित किए गए, तथा सभी पौधों के चारों ओर ज्तमम ळनंतके भी लगाए गए ताकि पौधों का सुरक्षित संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। एस.पी. ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा पर्यावरण संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी अगली पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व है। स्वापो संस्थान द्वारा उठाया गया यह कदम समाज को पर्यावरणीय चेतना की दिशा में जागरूक करने वाला और अत्यंत सराहनीय है। ऐसे प्रयास अनुकरणीय हैं। इस मौके पर पुलिस विभाग की ओर से आर आई राजकुमार, सहायक निरीक्षक रितु तोमर, लोक शिकायत प्रभारी सुनील वर्मा, पीआरओ मयंक चौधरी, आदि अनेकों पुलिस कर्मियों ने सहभागिता दी।

बाबा सोहलेश्वर धाम में रघुवीर हॉस्पिटल के अध्यक्ष रमेश दीक्षित के कर कमलो से संपन्न हुआ विशाल भंडारा, हजारों लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

लालगंज रायबरेली, संवाददाता। रायबरेली जनपद के प्रसिद्ध भगवान शंकर के मंदिर सघेहलेश्वर धाम में रघुवीर रोलिंग मिल और रघुवीर हॉस्पिटल के अध्यक्ष रमेश दीक्षित के द्वारा विशाल भंडारा कराया गया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहणकिया। वास्तव में सावन के सोमवार को किए जा रहे भंडारो का महत्व भगवान शिव की पूजा और भक्ति से जुड़ा है। सावन माह भगवान शिव को समर्पित है, और सोमवार को शिव की पूजा करने से विशेष फल मिलता है, भगवान भोले शंकर और भंडारे के महात्म्य का उल्लेख करते हुए प्रसिद्ध समाजसेवी और रघुवीर रोलिंग मिल्स व रघुवीर हॉस्पिटल के चेयरमैन रमेश दीक्षित ने कहा कि आयोजित भंडारे में शिव भक्तों को भोजन और प्रसाद वितरित किया जाता है।श्री दीक्षित जी ने कहा कि सावन के सोमवार को शिव की पूजा और भक्ति का विशेष महत्वहै। भगवान भोले बाबा की कृपा से ही उनके द्वारा भंडारा आयोजित किया जाता है। सोमवार को भंडारे में विशेष भीड़ थी ।लगभग 50 हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। विशेष बात यह रही कि समाजसेवी रमेश दीक्षित ने अपने हाथों से लोगों को प्रसाद वितरण किया।भंडारे के विशेष योगदान में शशांक दीक्षित, डॉ समीर मिश्रा, रघुवीर हॉस्पिटल एंड इंस्टीट्यूट की निदेशक

डॉक्टर मोनिका मिश्रा, डॉक्टर मणि मिश्रा का योगदान सराहनीय रहा।वही व्यापार मंडल के अध्यक्ष विवेक शर्मा , जर्नलिस्ट मीडिया संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुशील शुक्ला, भाजपा नेता अनूप पांडे ,कैलाश वाजपेई आदि ने समाजसेवी रमेश दीक्षित के सामाजिक कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की है। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा नेता अनूप पांडे, नीरज दीक्षित, लल्ला मिश्रा, डॉ धर्मेंद्र, प्रशांत, किसन आदि लोग भी सेवा भाव से लग रहे।

अमीर बनने का लालच देकर ठगी करने वाले 8 गिरफ्तार

नोएडा, संवाददाता।ईकोटेक–1 थाना पुलिस ने कम समय में अमीर बनने का लालच देकर आम लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस गिरोह के 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एप्पल कंपनी के 10 लैपटॉप, 13 मोबाइल फोन और 5 टैबलेट बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 30 एटीएम कार्ड, एक करोड़ रुपए का चेक, 4 लग्जरी गाड़ियां और एक स्विफ्ट कार भी जब्त की गई है। कुल मिलाकर आरोपियों से 25 से 30 लाख रुपये का माल बरामद हुआ है। मामला तब सामने आया जब ईकोटेक–1 थाना क्षेत्र में रहने वाले एक आर्मी कर्मी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने एक की कंपनी के जरिए उनके साथ ठगी की है। आरोपियों ने कम पैसे लगाकर मोटा मुनाफा कमाने और कुछ ही दिनों में करोड़पति बनने का लालच दिया था। आरोपियों ने पीड़ित को बताया था कि कंपनी में निवेश करने पर एप्पल के लैपटॉप, घड़ियां और विदेश घूमने का पैकेज मिलेगा। इस झांसे में आकर पीड़ित ने साढ़े तीन लाख रुपए का निवेश कर दिया। लेकिन उसे न तो कोई गिफ्ट मिला और न ही मुनाफा हुआ।शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल टीम गठित की और आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में पश्चिम बंगाल के विधान डागर, कौशिक डागर, गणेश बेरा और तापस धारा, झारखंड के सतीश शाब, गुजरात के कल्पेश राजू, लुधियाना के गुरविंदर सिंह और पंजाब के गुरदीप सिंह शामिल हैं। जांच में पता चला है कि ये सभी आरोपी आर्मी से वीआरएस लेने के बाद इस कंपनी से जुड़े थे और लोगों को ठगने का काम कर रहे थे।

बिसरख में मुठभेड़ के दौरान शातिर बदमाश घायल

नोएडा, संवाददाता। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना इलाके में पुलिस और एक बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान बदमाश के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस टीम चार मूर्ति से सूरजपुर रोड पर चेकिंग कर रही थी। तभी एक मोटरसाइकिल सवार आया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह भागने लगा और सर्विस रोड की तरफ मुड़ गया। पुलिस ने उसका पीछा किया। नर्सरी कट तिराहे के पास बाइक फिसल गई और बदमाश गिर पड़ा। खुद को घिरता देख उसने पुलिस पर गोली चला दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें बदमाश घायल हो गया। संदिग्ध होने पर पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। नर्सरी कट तिराहे के पास उसकी मोटरसाइकिल बेकाबू होकर गिर गई। बदमाश ने खुद को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की जिसमें बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान पवन निवासी ग्राम जलाली, थाना हरदुआगंज, अलीगढ़ के रूप में हुई है। उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल स्प्लेंडर बरामद हुई है। इसके अलावा चोरी का एक मोबाइल फोन और 5000 रुपए नगद भी मिले हैं। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। बिसरख पुलिस ने बताया कि पवन एक शातिर अपराधी है। उस पर डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

चोरी की वारदातों का खुलासा,पुलिस ने तीन अभियुक्तों को पकड़ा

बांदा, संवाददाता। पुलिस ने चोरी की कई वारदातों को अंजाम देने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में थाना अतर्रा और बदौसा पुलिस की संयुक्त टीम ने इन अभियुक्तों को पकड़ा।पुलिस टीम गश्त और चेकिंग के दौरान अतर्रा–बदौसा बॉर्डर पर मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति पुरानी तहसील की जरुहा चौकी वाले रास्ते पर झाड़ियों में छिपे हैं। सूचना पर पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान अभियुक्तों के पास से 2 अवैध तमंचे और 2 जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा चोरी के 4 मोबाइल फोन और 46 हजार रुपये नगद भी मिले। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने अप्रैल माह में अतर्रा और बदौसा क्षेत्र में कई जगहों से आभूषण, कपड़े, रुपए और मोबाइल चोरी किए थे। गिरफ्तार अभियुक्तों में अनूप सिंह पुत्र वीरेन्द्र सिंह निवासी अंश बजरंगपुरवा थाना अतर्रा शामिल है। दूसरा अभियुक्त बारेलाल प्रजापति उर्फ विजय पुत्र रामदीन प्रजापति निवासी ग्राम कल्हरा थाना नरैनी है।

ब्लॉक संसाधन केंद्र लालगंज में श्री अन्न फसलों के बाबत हुई गोष्ठी

लालगंज रायबरेली, संवाददाता। ब्लॉक संसाधन केंद्र लालगंज में उत्तर प्रदेश मिलेट पुनरोद्धार योजना के अंतर्गत ब्लॉक संसाधन केंद्र पर 50 अध्यापकों का प्रशिक्षण दिया गया जिसमे मुख्य रूप से सेवानिवृत विषय वस्तु विशेषज्ञ अजेंद्र सिंह द्वारा श्री अन्न की खेती और जल संरक्षण के बारे में बताया गया ।जनपदीय विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ राज शेखर द्वारा बताया गया कि श्री अन्न फसलों में ऐसे लाभदायक पोषक तत्व है जो कि मनुष्यों में होने वाली समस्त बीमारियों में अत्यंत उपयोगी है। हम सभी श्री अन्न को अपने भोजन थाल में स्थान दे। तहसील क्षेत्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ मनोज कुमार द्वारा बताया गया कि आप सभी अब सब्सिडी एट सोर्स का लाभ उठाए और पहले आओ पहले पाओ के आधार पर हमारे बीज भंडार से बीज प्राप्त कर सकते है ।साथ ही फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में बताया। अमरेंद्र बहादुर सिंह राजकीय कृषि बीज भंडार प्रभारी ने श्री अन्न फसलों की बीज उपलब्धता और किस किस सीजन में इनका उपभोग करे, इस बाबत विस्तार सेबताया। विकास खंड तकनीकी प्रबंधक राम प्रताप गुप्ता बताया कि आप सभी अपनी फसलों का बीमा और किसान क्रेडिट कार्ड अवश्य बनवाए।जनपदीय सलाहकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन ने विभागीय योजनाओं और श्री अन्न फसलों के बीज उपलब्धता के बारे में बताया ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से वंदना शुक्ला मीनू सिंह, आशीष चौहान, आशीष मिश्रा, विवेक त्रिपाठी, गरिमा शुक्ला, मनीष तिवारी , जी उपस्थित रहे।

बिजली समस्या से आक्रोशित हुए लोग,विद्युत कार्यालय के बाहर सैकड़ों लोगों ने लगाया जाम

उरई/जालौन, संवाददाता। जालौन बिजली व्यवस्था की बदहाली को लेकर लोगों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। सोमवार को गांधी नगर वार्ड नंबर 1 के सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने वार्ड सभासद महेन्द्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में नाथूराम इंटर स्कूल के पास स्थित विद्युत उपखंड कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया और मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम के कारण कोंच नगर का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका आरोप है कि पिछले दो वर्षों से मोहल्ले की विद्युत व्यवस्था जर्जर हालत में है। बिजली के पोल न होने के कारण पूरे मोहल्ले में लकड़ी के खंभों के सहारे बिजली की लाइनें दौड़ रही हैं, जो लोगों के घरों की छतों से सटी हुई हैं। यह स्थिति जानलेवा बनी हुई है। कई बार मोहल्ले के बच्चों को करंट भी लग चुका है। इसके बावजूद विभागीय अधिकारियों ने अब तक कोई

कदम नहीं उठाया है। सभासद महेन्द्र सिंह ने बताया कि उन्होंने 12 अक्टूबर 2023 से लेकर अब तक कई बार को विद्युत वितरण उपखंड कार्यालय, कोंच को लिखित प्रार्थना पत्र भी दिया था, लेकिन न तो कोई अधिकारी मौके पर आया और न ही कोई स्थायी समाधान किया गया। उन्होंने बताया कि बीते 15 दिनों से मोहल्ले का ट्रांसफार्मर भी खराब पड़ा है, जिससे पूरा इलाका अंधेरे में डूबा हुआ है। शिकायतों के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि विभाग की लापरवाही से उनका जीवन खतरे में है। बच्चों और बुजुर्गों को रात में भारी परेशानी हो रही है। पानी की सप्लाई भी प्रभावित हो गई है, जिससे हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, वहीं बिजली न आने के बावजूद भी स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद हजारों रुपए बिल आ रहा है जबकि बिजली आपूर्ति उतनी नहीं हो रही है। सूचना मिलते ही कोंच क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद, कोंच कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार पांडेय भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

उमड़ा आस्था का जनसैलाब, शिवालयों में 'हर हर महादेव' की गूंज

● तीसरे सोमवार को मिढ़ावली के शिव मंदिर पर हजारों की संख्या में उमडे शिवभक्त, प्रशासन रहा सक्रिय

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। सावन महीने के तीसरे सोमवार को षिव भक्तों की आस्था देखने लायक रही। सादाबाद के गांव मिढ़ावली स्थित वनखंडी महादेव मंदिर पर शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। यहां सुबह से लेकर देर शाम तक शिवभक्तों की काफी लंबी कतार लगी रही। दूध, गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, शहर, घी आदि से भोलेबाबा का अभिषेक किया गया। काफी संख्या में यहां कांवड़िए भी कांवड़ों को लेकर पहुंचे और पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ भोले बाबा को गंगाजल अर्पित किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसडीएम संजय कुमार और सीओ अमित पाठक पुलिस बल के साथ मंदिर पर सक्रिय रहे। मंदिर पर कलाकारों द्वारा मयूर नृत्य का भी आयोजन किया गया।

पूरा मंदिर परिसर 'हर हर महादेव' के नारों से गूंज उठा। मंगला आरती के बाद बाबा के दर्षन के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए गए। भारी भीड़ को देखते हुए यहां सुबह से ही भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। कतारों में सुचारू दर्षन व्यवस्था की गई। लोगों ने घंटों लाइन में खड़े रहकर श्रद्धा के साथ बाबा के दर्षन कर रहे हैं। ग्राम प्रधान राजेश कुमार द्वारा भी व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया गया। इधर, नगर के आगरा रोड स्थित प्राचीन बाबा बैजनाथधाम मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। यहां भी सुबह से लेकर दोपहर तक हजारों की संख्या में शिवभक्त उमड़े। भोले का अभिषेक किया और हर हर महादेव, बम बम भोले के जयकारे लगाए। मौहल्ला नई बस्ती राजनगर के अलावा त्यागी कॉलोनी स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पर भी जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मांकाली के मंदिर पर भी काफी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। इसके अलावा नगर और क्षेत्र के अन्य

शिवालयों में भी शिव भक्त भगवान शिव की पूजा अर्चना के लिए आवागमन करते रहे। जगह जगह स्टॉल लगाकर प्रसाद का वितरण किया गया।

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश शरण शास्त्री ने बताया कि सावन का यह तीसरा सोमवार भक्तों के लिए विषेश महत्व रखता है, क्योंकि यह माना जाता है कि इस दिन की गई पूजा से विघ्न–बाधाएं दूर होती हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

झूला झूलकर सावन के गीत गाकर मनाया हरियाली तीज का पर्व

● स्थानीय महाराजा अग्रसेन कन्या डिग्री कॉलेज में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। स्थानीय अग्रसेन कन्या डिग्री कॉलेज में हरियाली तीज के पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दिन अग्र समाज की महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पारंपरिक वेशभूषा में मेंहदी लगाकर झूले पर झूलकर सावन के गीत गाए। एक दूसरे को मिलकर पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान, रैंप वॉक, तंबोला, टंग ट्विस्टर, फन गेम सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने अपना हुनर प्रदर्शित किया। हंसी ठिठोली के बीच झूला झूलकर सावन के गीत गाए। इन प्रतियोगिताओं में प्रिया अग्रवाल, सलोनी अग्रवाल, शिवानी, पूनम अग्रवाल, गरिमा अग्रवाल, रचना अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, मानसी अग्रवाल, नेहा गुप्ता, शिवानी गुप्ता अव्वल रहीं। कार्यक्रम का संचालन रेखा अग्रवाल, अंजू अग्रवाल और रूचि अग्रवाल ने किया। मौके पर तरह तरह के व्यंजनों का स्वाद लिया गया। मौके पर वैशाली अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, मोहिनी अग्रवाल, शिल्पी, पूजा, पिंकी अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, नीलिमा अग्रवाल, ज्योति, ममता गुप्ता, अनु सहित काफी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

रूद्राभिशेक से जीवन में सुख समृद्धि और भय से मिलती है मुक्ति- योगेश शरण

सादाबाद। सावन माह के तीसरे सोमवार को विभिन्न स्थानों पर रूद्राभिषेक हुआ। शिवभक्तों ने भगवान को प्रसन्न करने के लिए रूद्राभिषेक किया। भगवान शिव का श्रंगार कर आरती की गई। नगर में कई स्थानों पर ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश शरण शास्त्री ने वेदं मंत्रोच्चारण कर कई जगह रूद्राभिषेक कराए। दुग्ध से रूद्राभिषेक किया गया। भगवान को मेवा, दही, शहद, मिष्ठान, बिल्वपत्र, भांग, धतूरा आदि अर्पित किया गया। उन्होने कहा कि सावन के महीने में रूद्राभिषेक शास्त्रों में विशेष फलदायी माना गया है। इससे जीवन में सुख समषद्धि, स्वास्थ्य, शांति और भय से मुक्ति मिलती है। पुराणों में उल्लेख है कि रूद्राभिषेक से गृहों की बाधाएं, पितृ दोष, काल सर्प दोष भी शांत हो जाते हैं। रूद्राभिषेक आत्मशुद्धि, मन की स्थिरता और आध्यात्मिक जागषति का भी मार्ग है। वेदमंत्रों की ध्वनि और जल की शीतलता से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

श्रवण मास के तृतीय सोमवार को श्रद्धालुओं ने किये गोपेश्वर मन्दिर पर भगवान शिव के भव्य, दिव्य व अद्भूत दूध की धार के दर्शन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। सावन मास के तीसरे सोमवार को श्री गोपेश्वर नाथ सेवा समिति के द्वारा श्री गोपेश्वर नाथ मन्दिर पर देवाधिदेव महादेव बाबा श्री गोपेश्वर नाथ जी महाराज का गौदुग्ध, दही, घी शहद बूरा आदि सामग्री से विधिवत पंचामृत अभिषेक किया और भोग प्रसादी अर्पित कर लगाया। शाम को बाबा श्री गोपेश्वर नाथ जी महाराज के भव्य व दिव्य तथा अद्भूत दूध की धार के दर्शन हुए । बड़ी भारी मे संख्या भक्तों ने बाबा के दर्शन किए। श्री गोपेश्वर नाथ सेवा समिति द्वारा शाम को खीर की प्रसादी का भोग लगाकर भक्तों की वितरित किया गया। हजारों की संख्या मे शिव भक्तों ने बडी श्रद्धा भाव के साथ प्रसादी को ग्रहण की। शाम से ही समूचा मन्दिर परिसर रंग विरंगी लाइटों व गुब्बारों से जगमगाता रहा है। मन्दिर पर गोपेश्वर बाबा के जय कारे गूंजते रहे।

श्री गोपेश्वर नाथ सेवा समिति के प्रमुख प्रमोद कौशिक, बृजेश चन्द्र मिश्र, पवन अग्रवाल, कुलदीप शर्मा, अमित अग्रवाल, कृष्णगोपाल सारड़ा, सुजीत पचौरी, रवि वर्मा, गोपाल गर्ग, आशीष रस्तोगी, डाव रघुकुलतिलक दुबे, चिन्टू कैटर्स, नितिन बागला, अनमोल गुप्ता,लखन वार्ष्णेय, अकिंत अग्रवाल आदि मौजूद थे।

किसान महापंचायत को लेकर जनसंपर्क में जुटे किसान नेता

सादाबाद। 30 जुलाई को खंदोली कट पर होने वाली किसान महापंचायत को सफल बनाने के लिए भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता सादाबाद क्षेत्र दिन रात प्रचार प्रसार में जुटे हैं। सोमवार को भी भाकियू पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कई गांव में पहुंचकर किसानों से जनसंपर्क किया और उनसे पंचायत में बढ़ चढ़ कर सहभागिता करने का आह्वान किया।

भाकियू नेता मंगलेश यादव ने बताया कि पंचायत में अलीगढ –आगरा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के मुआवजे, यमुना एक्सप्रेसवे रूके हुए मुआवजे, जलेसर रोड रेलवे स्टेषन अभी तक मुरी, महानन्दा, बाँदीकुई बरेली व दिल्ली कानपुर पेसेंजर में से कोई भी ट्रेन के न रूकने सहित कई मुद्दों को लेकर यह पंचायत हो रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत गढीबलना विकास खण्ड, हाथरस, जनपद हाथरस

पत्रांक – ग्रा० पंचा०/15 वॉ०वि०/ पं०राज्य वि०आ० मद/टेन्डर/2025–26 दिनांक–28.07.2025

अति अल्पकालीन निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 15 वॉ०वि०/पं०राज्य वि०आ० मद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गढीबलना में वर्ष 2025–26 में उपलब्ध धनराशि से कराये जाने वाले निम्नांकित कार्यों हेतु उनके नाम के सम्मुख अंकित विवरणानुसार सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु मुहर बन्द निविदाएँ दिनांक 02.08.2025 को दिन के 3.00 बजे तक आंमत्रित की जाती है. जो उसी दिन सांग 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय अधोहस्ताक्षरी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोली जायेंगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्य दिवस होगा। निविदा खोलने के स्थल, समय एवं वैधता में कोई परिवर्तन नहीं होगा निविदा की वैधता मूल तिथि से मानी जायेगी। निविदा की शर्ते निम्नवत् निर्धारित की जाती है। –

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत गढीबलना से कार्यालय दिवस एवं समय में दिनांक 02.08.2025 तक निविदा मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा प्रपत्र के साथ 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि की एफ०डी०आर०/एस०टी०डी०आर० जो अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बन्धक होगी, जमा करनी होगी।
3. निविदा सशर्त अथवा निर्धारित समय के बाद प्रस्तुत निविदायें मान्य नही होगी तथा किसी भी निविदा को बिना कारण बतायें स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा ।
4. निविदा दरों की वैद्यता 6 माह अधिकतम होगी। इसके लिये निविदा प्रपत्र के साथ एक सौ रूपये का नॉन जुडिशियल स्टाम्प पेपर, एक रूपये का रिवेन्यू टिकट के साथ होना अनिवार्य है।
5. अनुबन्ध के समय धरोहर राशि को सम्मिलित करतें हुए 10 प्रतिशत जमानत धनराशि जमा करनी होगी तथा कुल जमानत राशि पर नियमानुसार स्टाम्प ड्यूटी देनी होगी ।
6. बिलों के भुगतान में नियमानुसार जी०एस०टी० की कटौती की जायेगी।
7. सामग्री की आपूर्ति उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए।
8. कोई भी निविदादाता जो राज्य विधि बार कौसिल में पंजीकृत हो, निविदा देने से प्रतिबंधित होगें।

क्र सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (सामिग्री)रू०में जीएसटी सहित	धरोहर धनराशि (रू०में)	कार्य अवधि (माहमें)
1.	बलना में अनिल के घर से गीतम सिंह के घर तक नाली एवं इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य।	217455.00	4349.00	6 माह
2.	बलना में अशोक के घर से संजू के प्लाट तक नाली एवं इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य।	255228.00	5104.00	6 माह

अध्यक्ष/प्रधान
ग्राम पंचायत गढीबलना

(सचिव)
ग्राम पंचायत गढीबलना

मैनचेस्टर टेस्ट में गिल के 5 रिकॉर्ड्स

4 शतक लगाकर ब्रैडमैन-गावस्कर की बराबरी, इंग्लैंड सीरीज में 722 रन बनाने वाले पहले भारतीय भी बने

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर टेस्ट में रविवार को रिकॉर्ड्स का दिन शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा के नाम रहा। गिल इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर बने। वे डेब्यू टेस्ट सीरीज में 4 शतक लगाने वाले पहले कप्तान भी बने। बतौर कप्तान किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में गिल ने सुनील गावस्कर और सर डॉन ब्रैडमैन की बराबरी की। वहीं रवींद्र जडेजा इंग्लैंड में नंबर–6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए दो टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत ने हारा हुआ चौथा टेस्ट ड्रॉ करा लिया। टीम ने दूसरी पारी में 143 ओवर बैटिंग की। भारत से शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने शतक लगाया। पहली पारी में भारत ने 358 और इंग्लैंड ने 669 रन बनाए थे। भारत ने दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 425 रन बनाए। शुभमन गिल बतौर कप्तान टेस्ट सीरीज में 700 रन बनाने वाले नौवें बल्लेबाज बने। उनसे पहले सर डॉन ब्रैडमैन (दो बार), सर गारफील्ड सोबर्स, ग्रेग चौपल, सुनील गावस्कर, डेविड गॉवर, ग्राहम गूच और ग्रीम स्मिथ यह कारनामा कर चुके हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बतौर कप्तान 722 रनों के साथ सर गारफील्ड सोबर्स के रिकॉर्ड की बराबरी की। रवींद्र जडेजा ने इस सीरीज में अब तक 5 बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। यह इंग्लैंड में किसी टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी द्वारा संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 50 स्कोर हैं। उन्होंने यह उपलब्धि सर गैरी सोबर्स के 1966 में बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए हासिल की है। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के बीच हुई यह शतकीय साझेदारी मौजूदा चार टेस्ट मैचों में भारत की 10वीं शतकीय साझेदारी रही। यह किसी भी टेस्ट सीरीज में भारत की दूसरी सबसे ज्यादा 100 रन की साझेदारियां हैं। इससे पहले भारत ने 1978ध्79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में 11 शतकीय साझेदारियां की थीं। रवींद्र जडेजा के इस टेस्ट सीरीज में 5 अर्धशतक (50 स्कोर) हो चुके हैं। नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा टेस्ट सीरीज (घरेलू या विदेशी) में सबसे ज्यादा 50 स्कोर हैं। उन्होंने वीवीएस लक्ष्मण की बराबरी की है, जिन्होंने 2002 के वेस्टइंडीज दौरे में इतने ही 50 स्कोर बनाए थे। वाशिंगटन सुंदर ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया। यह भारत की ओर से इस टेस्ट सीरीज में 11वीं सेंचुरी है। इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ, 1978ध्79 की घरेलू सीरीज में भारत ने 11 सेंचुरी लगाई थीं। किसी टेस्ट सीरीज में पहली बार ऐसा हुआ जब भारत के चार बल्लेबाजों ने 400 रन बनाए। शुभमन गिल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा ने ऐसा किया। ओल्ड ट्रैफ्रड में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने वाली टीम कभी टेस्ट नहीं जीत पाई है।

टेस्ट सीरीज में भारत की ओर से 700 या उससे अधिक रन बनाने वाले बैटर

प्लेयर्स	रन	सीरीज	स्थान
सुनील गावस्कर	774	वेस्टइंडीज 1971	वेस्टइंडीज
सुनील गावस्कर	732	वेस्टइंडीज, 1978/79	भारत
शुभमन गिल	722	इंग्लैंड, 2025	इंग्लैंड
यशस्वी जायसवाल	712	इंग्लैंड, 2024	भारत

अगस्त में भारतीय क्रिकेट टीम का शेड्यूल टाइट

मौजूदा समय में भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। अभी तक दोनों टीमों के बीच 4 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। वहीं आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से शुरू होगा। इसके बाद अगला महीना अगस्त टीम इंडिया के लिए बेहद अहम होगा, क्योंकि 9 सितंबर से एशिया कप का आयोजन शुरू होगा। भारत का एशिया कप का पहला मैच 10 सितंबर को है जबकि दूसरा मैच पाकिस्तान के खिलाफ 14 सिंतबर को है। वहीं अगस्त की शुरुआत में भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां आखिरी टेस्ट मैच खेला जाएगा। ये मुकाबला गिल एंड टीम के लिए करो या मरो वाला होगा। हालांकि, अब टीम इंडिया सीरीज जीत नहीं सकती लेकिन अंतिम टेस्ट को जीतकर वह सीरीज को बराबरी पर खत्म कर सकती है। हां, अगर पांचवां टेस्ट ड्रॉ भी हुआ थो इंग्लैंड सीरीज 2–1 से जीत जाएगी। टीम इंडिया का अगस्त फुल शेड्यूल भारत का अगस्त में शेड्यूल बांग्लादेश टीम के साथ था जहां दोनों टीमों के बीच 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेली जानी थी। लेकिन बीसीसीआई और बीसीबी ने इस सीरीज को स्थापित कर दिया, अब ये सीरीज अगले साल होने की उम्मीद है। साथ ही वीडियो रिपोर्ट्स के अनुसार श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई से इच्छा जाहिर की है कि दोनों देशों के बीच अगस्त में वनडे और टी20 सीरीज खेली जाए। अभी तक कोई आधिकारिक सूचना नहीं है, लेकिन एशिया कप से पहले एक महीने तक कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलने से टीम इंडिया को नुकसान भी हो सकता है। जिस कारण बीसीसीआी भी चाहेगा कि अगस्त में टीम इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सीरीज खेले।

खेल जारी रहना चाहिये: गांगुली ने भारत पाकिस्तान के बीच एशिया कप मैच पर कहा

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने रविवार को कहा कि उन्हें आगामी एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के एक ही ग्रुप में होने से कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद खत्म होना चाहिए, लेकिन खेल जारी रहना चाहिए। एशिया कप के कार्यक्रम के अनुसार चिर–प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया है और वे 14 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आमने–सामने होंगे। गांगुली ने 'पीटीआई' से कहा, ''मैं इसके कार्यक्रम से सहमत हूं। खेल जारी रहना चाहिए। पहलगाम में जो हुआ वह कभी नहीं होना चाहिए, लेकिन हम उसे खेल को रोकने नहीं दे सकते। आतंकवाद खत्म होना चाहिए। भारत ने इसके खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है, अब यह अतीत की बात है। खेल जारी रहना चाहिए।'' भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा।उम्मीद है कि वह अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। भारत और पाकिस्तान 21 सितंबर को सुपर फोर चरण में फिर से भिड़ सकते हैं। भारत के ग्रुप ए में पाकिस्तान, यूएई और ओमान शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) 19 मैचों के इस टूर्नामेंट के लिए 17 सदस्यीय टीमों को अनुमति देगी, जिसमें मैच दुबई और अबू धाबी में खेले जायेंगे। बीसीसीआई एशिया कप के इस सत्र आधिकारिक मेजबान है लेकिन इसका आयोजन यूएई किया जा रहा है क्योंकि भारत और पाकिस्तान दोनों देशों की सीमा पर तनाव के कारण 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर खेलने पर सहमत हुए हैं। पहलगाम हमले के बाद दोनों देश युद्ध के कगार पर आ गए थे, जिसका भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के साथ जवाब दिया था।

स्टोक्स को ब्रुक से गेंदबाजी नहीं करानी चाहिए थी: नासिर हुसैन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने चौथे टेस्ट को जल्दी समाप्त करने के बेन स्टोक्स के प्रस्ताव को रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के द्वारा अस्वीकार करने के बाद हैरी ब्रुक को गेंदबाजी आक्रमण में लाने के फैसले को 'नासमझदारी ' करार दिया। हुसैन ने कहा कि जडेजा और सुंदर अपने शतकों के पूरे हकदार थे। हुसैन ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा, '' मुझे इससे (जडेजा और सुंदर के बल्लेबाजी जारी रखने) कोई समस्या नहीं थी। इंग्लैंड को इससे समस्या लग रही थी।

भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने में कोई बाधा नहीं: एमपीसी सदस्य

भारतीय अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है और चालू वित्त वर्ष (2025–26) में इसे 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल करने में किसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को यह बात कही। कुमार ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ साक्षात्कार में कहा कि दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति बेहतर बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''वास्तव में, एक–तिहाई से ज्यादा वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं ऋण संकट से जूझ रही हैं... औद्योगिकीकृत अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव, ऊंची मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि में सुस्ती का सामना कर रही हैं।'' कुमार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात या व्यापार से अधिक घरेलू खपत और घरेलू निवेश पर टिकी है। इस वजह से आज भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे चालू वित्त वर्ष और अगले साल भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की राह में कोई दिक्कत नजर नहीं आ रही है।'' उन्होंने कहा, ''और, आप जानते हैं, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी इस तरह की वृद्धि जारी रहेगी, और एक समय यह सात से 7. 5 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी।'' पिछले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6. 5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में भी देश की अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ेगी। मुद्रास्फीति पर एक सवाल पर कुमार ने कहा कि वर्तमान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति लगभग दो प्रतिशत है और यह काफी हद तक एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) या आरबीआई द्वारा अपनाई गई नीति का परिणाम है। और अब यह लक्ष्य के दायरे में आ गई है। यह पूछे जाने पर कि क्या आरबीआई के लिए आगे दरों में कटौती की गुंजाइश है, उन्होंने कहा, ''यह केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ही नहीं, बल्कि सभी विभिन्न वृहद आंकड़ों पर निर्भर करेगा।'' अगर मुद्रास्फीति किसी महीने में दो प्रतिशत तक नीचे आ जाती है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह इसी स्तर पर रहेगी।'' केंद्रीय बैंक ने इस साल प्रमुख नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती की है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जून में मुख्य मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई है। आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक समिति अगस्त में अपनी अगली द्विमासिक नीति की घोषणा करने वाली है। कुमार ने कहा, ''इसलिए, एमपीसी न केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों, बल्कि अन्य सभी वृहद मापदंडों के रुझान पर भी गौर करेगी।

दिग्गज अंचता शरत कमल का बयान

अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है। शरत ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, ''हम एक–दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चौंपियन तैयार करे।'' उन्होंने कहा, ''युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की है... जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चौंपियन को सीनियर चौंपियन बनते नहीं देख पाएंगे।'' भारत ने 2024 एशियाई चौंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला दोनों ही प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। शरत ने कहा, ''असली चुनौती निरंतरता की है। एक पदक को दो होना चाहिए और उसे पांच या छह तक बढ़ाना होगा।''

भव्य प्रभात

आत्मघात की जवाबदेही

निस्संदेह, किसी छात्र की आत्महत्या हमारी शिक्षा व्यवस्था की संस्थागत विफलता ही है। यदि शिक्षा व्यवस्था सतर्क–संवेदनशील रहे तो इन संभावनाओं को असमय काल–कवलित होने से बचा सकते हैं। आंध्रप्रदेश की एक 17 वर्षीय नीट छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने छात्रों में आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर मार्गदर्शक टिप्पणियां की हैं। छात्रों का जीवन बचाने हेतु इस सुप्रीम गाइडलाइंस में पीठ ने देशभर के स्कूल, कालेजों और कोचिंग संस्थानों के लिये गाइडलाइंस जारी की। दरअसल, न्यायाधीश वर्ष 2022 के लिए एनसीआरबी की उस रिपोर्ट से व्यथित थे, जिसमें दर्शाया गया कि इस साल आत्महत्या करने वाले 1,70,924 लोगों में 13,044 छात्र भी शामिल थे। कोर्ट ने कहा कि शिक्षा का मकसद जानकारी देना ही नहीं है, इसका उद्देश्य जीवन जीने की कला सिखाना भी है। निस्संदेह, शिक्षा का मकसद छात्रों का बौद्धिक, भावनात्मक, नैतिक तथा आध्यात्मिक उन्नति होना चाहिए। कोर्ट का मानना था कि शिक्षण संस्थाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को अपनी प्राथमिकताएं बनाएं। यह भी कि मानसिक स्वास्थ्य, अनुच्छेद 21 के तहत मिले जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग है। पीठ ने देश के सभी शिक्षण संस्थानों के लिये पंद्रह दिशा–निर्देश तय किए हैं, जो इस बाबत कानून बनाने तक ये गाइडलाइंस बाध्यकारी होंगी। निःसंदेह, सुप्रीमकोर्ट पीठ के ये दिशा–निर्देश उपचारक साबित हो सकते हैं। इसमें प्रत्येक शिक्षण संस्थान को मानसिक स्वास्थ्य नीति बनाने और विशेषज्ञ नियुक्त करने के निर्देश हैं। राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम नीति व कार्यक्रमों को इस नीति में शामिल करना होगा। साथ ही जहां सौ से अधिक छात्र हों, वहां मनोवैज्ञानिक व काउंसलर नियुक्त करने होंगे। छात्रों में हीन भावना न आए, इसलिये कोचिंग संस्थान शैक्षिक प्रदर्शन के आधार पर कोई बैच न बनाएं। शिक्षकों व स्टाफ को वर्ष में दो बार छात्रों में आत्महत्या के संकेत पकड़ने व मानसिक स्वास्थ्य के बाबत प्रशिक्षण देना अनिवार्य होगा। सुनिश्चित हो कि समाज के कमजोर वर्ग के छात्रों व शारीरिक अपूर्णता से जूझ रहे छात्रों के साथ किसी तरह का भेदभाव न होने पाए। शिक्षण संस्थान व कोचिंग के परिसर में रैगिंग, यौन उत्पीड़न तथा किसी तरह के भेदभाव से निपटने के लिये समिति बने। साथ ही पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा अभिभावकों को सचेत किया जाए कि वे छात्रों पर अंकों का दबाव न बनाएं और मानसिक तनाव के प्रति संवेदनशील रहें। संस्थान सालाना आधार पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कार्रवाई की रिपोर्ट हर साल यूजीसी को दें। इसके साथ ही खेल, कला व व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम का हिस्सा हो। सतर्कता हेतु हॉस्टलों को सुरक्षित बनाने तथा छत, बालकनी, पंखे जैसे स्थानों पर सेफ्टी डिवाइस लगाने के निर्देश दिए गए हैं। निस्संदेह, इन निर्देशों के अनुपालन से कई अनमोल जिंदगियां बचायी जा सकती हैं।

सोने से सजे मंदिर और जर्जर स्कूल, देश का कड़वा सच

राजस्थान के झालावाड़ जिले के एक सरकारी स्कूल की जर्जर इमारत की छत गिरने से सात बच्चों की मौत हो गई और कम से कम 24 बच्चे घायल हैं। सभी बच्चे 6 से 14 वर्ष की आयु के हैं और अनुसूचित जाति, जनजाति के हैं और इतने गरीब घरों से हैं कि उनके अंतिम संस्कार के लिए ढंग से लकड़ियों की व्यवस्था भी न हो सकी और पुराने टायरों को जलाकर चिता में आग लगाई गई। जाहिर है आज के वक्त में गांव के सरकारी स्कूल में केवल वही बच्चे पढ़ने जाते हैं, जिनके मां–बाप के पास निजी स्कूलों का खर्च उठाने की हैसियत नहीं होती। यूं तो निजी स्कूलों में भी पढ़ाई का स्तर सवालों के घेरे में ही है, लेकिन कम से कम उनकी इमारतें इतनी असुरक्षित नहीं रहती कि कभी भी दीवार या छत भरभरा कर गिर जाए। निजी स्कूलों के भी अब कई स्तर हैं, सबसे निचले स्तर के स्कू ल कस्बों या झुग्गी–झोपड़ी वाले इलाकों में मिलेंगे, जहां अंग्रेजी के नाम पर ही अभिभावकों को लुभाया जाता है। फिर उनसे ऊपर के स्तर वाले स्कूल होते हैं, जहां निम्न मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों को सामाजिक प्रतिष्ठा की खातिर भेजते हैं। साथ में दबी हसरत भी रहती है कि कभी इनका सामाजिक दायरा उच्च मध्यमवर्गीय हो जाएगा। और आखिर में आते हैं मध्यमवर्गीय, उच्च मध्यमवर्गीय स्तरों के लिए पांच–सात सितारा सुविधाओं वाले स्कूल। जिसे आम बोलचाल में क्रीमी लेयर वाला कहा जाता है। यहां की बसों से लेकर कक्षाओं तक में एयर कंडीशनर लगे होते हैं, स्कूलों के भीतर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बने रहते हैं, इनके कैंटीन में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पाद मिलते हैं और शौचालय से लेकर पुस्तकालय, सांस्कृतिक भवन, खेलने के मैदान सब की उच्चस्तरीय सुविधाएं मिलती हैं। बदले में एक–एक बच्चे से महीने की लाखों की फीस वसूली जाती है। उच्च मध्यमवर्ग इसे आराम से भरता है और मध्यमवर्ग अपनी जरूरतों को काटकर या फिर कमाई को बढ़ाने के लिए गलत तरीके अपना कर फीस का इंतजाम करता है। भारतीय समाज में शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त यह वर्गभेद अब इतना सामान्य मान लिया गया है कि इस पर किसी के माथे पर शिकन नहीं आती कि हमने अपने भविष्य के नागरिकों को किस चक्रव्यूह में फंसा दिया है। ऐसे समाज में अगर सात बच्चों की अकाल मौत पर भी कोई व्यापक प्रतिक्रिया न हो, तो उसमें क्या आश्चर्य करना। समाज का यूं आत्मकेन्द्रित होना ही सरकार को इस बात की सुविधा देता है कि वह अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ ले और पूरे वक्त चुनाव प्रचार की मानसिकता से काम करे। अखबारों और टीवी पर रोजाना तस्वीरें आती हैं जिनमें प्रधानमंत्री किसी न किसी चीज का उद्घाटन करते, शिलान्यास करते दिखाई देते हैं। नौबत ऐसी आ चुकी है कि अब ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से लेकर सफाई कर्मियों को झाड़ू बांटने तक हरेक काम को प्रचार आयोजन की तरह किया जाता है। जबकि इन्हीं कामों के लिए प्रशासन बना है, अधिकारियों–कर्मचारियों को काम करने की ही तनख्वाह मिलती है।

बुजुर्गों की सेवा करें, तिरस्कार नहीं

उत्तर प्रदेश की रामनगरी अयोध्या में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। किशन दासपुर के पास परिजनों ने एक बुजुर्ग महिला को देर रात सड़क पर छोड़कर फरार हो गए थे। जिसके बाद अब बुजुर्ग महिला की मौत की खबर आ रही है। इससे पहले परिजन महिला को ई–रिक्शा से लाए और उसे अकेला छोड़कर चले गए। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें दो लोग महिला को छोड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू

कर दी है और आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। इस घटना ने शहर भर में आक्रोश फैला दिया है। सोशल मीडिया पर भी देशभर से क्रोध मिश्रित संवेदना से भरे मैसेज की बाढ़ सी आई हुई है। कुछ दिनों पहले मुंबई में हाल ही में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया था। जहां एक पोता अपनी कैंसर पीड़ित दादी को कचरे के ढेर में फेंक गया था। जिसके बाद पुलिस ने पीड़ित महिला यशोदा गायकवाड़ के पोते का पता लगाया। हालांकि अपनी सफाई में पोते ने कहा कि उसने दादी को कचरे में नहीं फेंका। उनको घर से निकलने की आदत थी। लेकिन पुलिस जांच में साफ हो गया है कि पोता झूठ बोल रहा है। उसने ही दादी यशोदा को कूड़े के ढेर में फेंका था। ये दो घटनाएं तो बानगी भर हैं। बुजुर्गों से अपमान, प्रताड़ना, तिरस्कार और असंवेदनशील व्यवहार की खबरें प्रायः हम सुनते पढ़ते रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि समाज में बुजुर्गों के प्रति असंवेदनशीलता बढ़ती जा रही है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि, बुजुर्ग परिवार के मुखिया होने के साथ एक मार्गदर्शक में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। अफसोस इस बात का है कि आधुनिकता की इस दौड़ में हम अपने बुजुर्गों की अहमियत भूल जाते हैं। देश में औद्योगीकरण और नगरीकरण के विस्तार के साथ परिवार के मूल स्वरूप में भी व्यापक परिवर्तन हुए हैं। बदलते सामाजिक परिवेश में संयुक्त परिवारों का विखंडन बड़ी तेजी से एकल परिवार के रूप में हुआ है। अब गिने–चुने परिवारों में ही संयुक्त परिवार की अवधारणा देखने को मिलती है, जहां दो–तीन पीढ़ियां एक ही छत के नीचे साथ रहती हैं। शहरों में एकल परिवार का ही बोलबाला है। हालांकि अब गांव भी समाजीकरण की इस प्रक्रिया से अछूते नहीं रह गए हैं। विघटित संयुक्त पारिवारिक व्यवस्था के एकल स्वरूप ने आधुनिक और परंपरागत– दोनों पीढ़ियों को समान रूप से प्रभावित किया है। एक तरफ जहां, आज की कथित आधुनिक पीढ़ी परंपरागत पालन–पोषण, बुजुर्ग सदस्यों के प्यार–दुलार और सामाजिक मूल्यों–संस्कारों से दूर होती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ एकल पारिवारिक व्यवस्था ने बुजुर्गों को एकाकी जीवन जीने को विवश किया है। देश में बुजुर्गों का एक तबका ऐसा भी है जो या तो अपने घरों में तिरस्कृत व उपेक्षित जीवन जी रहा है, या फिर वृद्धाश्रमों में अपनी जिंदगी बेबसी के साये में बिताने को मजबूर है। समाज में बुजुर्गों पर होने वाले मानसिक और शारीरिक अत्याचार के तेजी से बढ़ते मामलों ने भी चिंताएं बढ़ा दी हैं। परिजनों से लगातार मिलती उपेक्षा, निरादर भाव और सौतेले व्यवहार ने वृद्धों को काफी कमजोर किया है। बुजुर्ग जिस सम्मान के हकदार हैं, वह उन्हें नसीब नहीं हो पा रहा है। यही उनकी पीड़ा की मूल वजह है। दरअसल, देश में जन्म दर में कमी आने और जीवन–प्रत्याशा में वृद्धि की वजह से वृद्धों की संख्या तेजी से बढ़ी है। लेकिन दूसरी तरफ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा, समुचित देखभाल के अभाव और परिजनों से मिलने वाली उपेक्षा की वजह से देश में बुजुर्गों की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। भारत इस वक्त दुनिया का सबसे युवा देश है। यहां युवाओं की तादाद पैंसठ फीसद है। लेकिन बीते दिनों अमेरिका के जनसंख्या संदर्भ ब्यूरो द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक वर्ष 2050 तक आज का युवा भारत तब 'बूढ़ा' हो जाएगा। उस समय देश में पैंसठ साल से अधिक उम्र के लोगों की संख्या तीन गुना बढ़ जाएगी। सवाल यह है कि क्या तब हम अपनी 'वृद्ध' जनसंख्या के समुचित देखभाल की पर्याप्त व्यवस्था कर पाएंगे? विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर हर 6 में से 1 बुजुर्ग के साथ किसी न किसी रूप में दुर्व्यवहार होता है। परंतु यह आंकड़ा वास्तविकता से बहुत कम हो सकता है क्योंकि बुजुर्ग अधिकांशतः अपमान या डर के कारण इन घटनाओं की रिपोर्ट नहीं करते। एक शोध के मुताबिक भारतीय घरों में कई तरीकों से बुजुर्गों को प्रताड़ित किया जा रहा है। इनमें परिजनों द्वारा अपमान, गाली–गलौच, उपेक्षा, आर्थिक शोषण और शारीरिक उत्पीड़न जैसे अमानवीय तरीके प्रमुख शामिल हैं। रिपोर्ट में यह बात भी उभर कर सामने आई है कि सताए गए बयासी फीसद बुजुर्ग अपने साथ हुए बुरे बर्ताव की शिकायत दर्ज नहीं कराते हैं। वे इन मामलों को पारिवारिक मान कर छोड़ देते हैं या भविष्य की असुरक्षा को सोच कर भूल जाना पसंद करते हैं। हालांकि जिस गति से देश में बुजुर्गों के मान–सम्मान में कमी आई है, वह हमारे सामाजिक–सांस्कृतिक मूल्यों के अवमूल्यन को परिलक्षित करती है। भारत में वृद्धों की सेवा और उनकी रक्षा के लिए कई कानून बनाए गए हैं। केंद्र सरकार ने भारत में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए वर्ष 1999 में राष्ट्रीय नीति बनाई थी। इसके बाद 2007 में 'माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण विधेयक' संसद में पारित किया गया। वर्ष 2015 में सरकार द्वारा बुजुर्गों को किसी तरह की स्वजनों से कोई परेशानी ना हो इसके लिए सख्त कानून बनाया गया। सके अतिरिक्त, कई राज्य सरकारों ने वृद्धाश्रम, मुफ्त चिकित्सा सेवाएं, और हेल्पलाइन जैसे उपाय किए हैं। उदाहरण के लिए, 14567 राष्ट्रीय हेल्पलाइन को बुजुर्गों की सहायता के लिए स्थापित किया गया है, जहां वे अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और मदद पा सकते हैं। बीते दिनों संसद में एक प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने जवाब दिया था कि, केंद्रीय कर्मचारी अपने बुजुर्ग माता–पिता की देखभाल के लिए 30 दिनों की छुट्टी ले सकते हैं। हालांकि, कानून और संस्थान तभी प्रभावी हो सकते हैं जब समाज की चेतना जागृत हो। हमारा समाज किस दिशा की ओर जा रहा है, विचार करने की जरूरत है, क्योंकि इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि नैतिक जिम्मेदारी समझने की बजाय बुजुर्ग माता–पिता की सुरक्षा के लिए हमें कानून बनाने पड़ रहे हैं। घर के बुजुर्गों की सुरक्षा की जिम्मेदारी महज सरकारी दायित्व मान कर युवाओं का अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़ना अनुचित है। बुजुर्ग अवस्था, मानव जीवन की संवेदनशील अवस्था होती है। एक निश्चित आयु के बाद बुजुर्गों को कई तरह की शारीरिक–मानसिक समस्याओं से गुजरना पड़ता है। एक अजीब–सा मनोवैज्ञानिक डर और असुरक्षा की भावना मन में घर करने लगती है। लेकिन ज्यादातर लोग इसे समझते नहीं हैं और बुजुर्गों के साथ अनुचित व्यवहार करते हैं। बुजुर्ग प्यार और सम्मान के भूखे होते हैं, पैसों के नहीं। बुजुर्गों की उपेक्षा केवल उनके जीवन को ही नहीं, हमारे आने वाले समय को भी प्रभावित करती है। आज जो पीढ़ी युवावस्था में है, वह कल वृद्धावस्था में पहुंचेगी। यदि हम आज बुजुर्गों के लिए संवेदनशील नहीं हैं, तो आने वाली पीढ़ियां हमारे लिए भी वैसी ही होंगी। यह एक सामाजिक चक्र है जिसमें मानवीय व्यवहार की बुनियादी भावना को बनाए रखना आवश्यक है। आज जरूरत है कि हम केवल बुजुर्गों के अधिकारों के लिए आवाज़ न उठाएं, बल्कि उन्हें वह गरिमा दें जिसके वे हकदार हैं।

–स्वतंत्र पत्रकार

अगर आप भी नारियल खरीदने में कंफ्यूज हो जाती हैं कि कौन से नारियल में पानी ज्यादा होगा और किसमें मलाई, तो आज हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको ध्यान में रखकर आप अपनी पसंद का नारियल खरीद सकती हैं।

नारियल एक ऐसा फल होता है, जो स्वाद और सेहत दोनों के लिए काफी अच्छा होता है। इसलिए कई महिलाएं ब्रेकफास्ट में नारियल पानी पीना पसंद करती हैं। किसी को नारियल का मीठा और ठंडा पानी पसंद होता है, तो कोई नारियल की सफेद मलाई का दीवाना होता है। लेकिन अपनी पसंद का नारियल खरीद पाना थोड़ा मुश्किल काम होता है। अगर आप भी नारियल खरीदने में कंफ्यूज हो जाती हैं कि कौन से नारियल में पानी ज्यादा होगा और किसमें मलाई, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको ध्यान में रखकर आप अपनी पसंद का नारियल खरीद सकती हैं।

नारियल में पानी का ऐसे लगाएं पता

नारियल में पानी की मात्रा देखने के लिए आप इसमें मौजूद तीन छेद से देख सकती हैं। अगर यह छेद सिकुड़े या सूखे हुए हैं, तो इसका मतलब है कि पानी कम है। इसलिए बेहतर है कि आप इसको न खरीदें और फ्रेश छेद वाला नारियल खरीदें।

ऐसे पता करें नारियल में कितनी मलाई

आप नारियल को हिलाकर चेक कर सकते हैं। अगर नारियल में से पानी की आवाज आ रही है, तो मतलब है कि पानी की मलाई बनने लगी है और पानी कम होता जा रही है। इसलिए आप इसको चलाकर भी चेक कर सकती हैं।

इन टिप्स को करें फॉलो

आप नारियल खरीदते समय कान के पास लाकर हिलाकर देख सकती हैं। ऐसा करने से नारियल के अंदर से पानी का आवाज आ रही है, तो यह पानी से भरा नारियल है।

वहीं पानी वाले नारियल का वजन ज्यादा होता है। वहीं अगर नारियल में मलाई होगी, तो यह हल्का भी होगा।

अगर नारियल मुलायम और हरा है, तो इसमें ज्यादा पानी मिलेगा। वहीं सूखा और भूरे रंग के नारियल में मलाई ज्यादा होती है।

आप चाहें तो ऊपर से कटवाकर भी नारियल चेक कर सकती हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

कभी भी हल्का नारियल नहीं खरीदना चाहिए। क्योंकि अक्सर सूखा हुआ नारियल अंदर से खराब निकल जाता है।

फ्रिज में ज्यादा देर तक पानी वाला नारियल नहीं टिकता है। इसलिए नारियल को खरीदते ही इसका इस्तेमाल करें। आप बड़े–बड़े नारियल खरीद सकते हैं, जिससे की दोनों चीजों का लुत्फ उठाया जा सके।

कौन से नारियल में अधिक पानी

अगर आप ज्यादा पानी वाले नारियल की तलाश में हैं, तो आपको गोल दिखने वाला नारियल खरीदना चाहिए। यह नारियल हल्के और कच्चे होते हैं और इनमें से पानी भी ज्यादा निकलता है। हालांकि इसमें मलाई बहुत कम निकलती है।

अगर आप भी सफेद कपड़ों के पीलेपन की परेशानी से जूझ रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सफेद कपड़े पीले क्यों पड़ते हैं और इन कपड़ों को पीलेपन से कैसे बचाया जा सकता है।

जब सफेद कपड़े नए होते हैं, तो उनकी चमक एकदम अलग होती है। फ्रेश और चमकदार व साफ–सुथरे कपड़े, जिनको पहनकर हमें कॉन्फिडेंस महसूस होता है। लेकिन कुछ ही बार धुलने के बाद सफेद कपड़े पीले पड़ने लगते हैं और फिर वह पहनने लायक नहीं रह जाते हैं। फिर चाहे वह स्कूल की यूनिफॉर्म हो, शर्ट हो या फिर हमारा फेवरेट व्हाइट कुर्ता हो। जब यह पीले दिखने लगते हैं, तो हमारा कॉन्फिडेंस भी फीका पड़ने लगता है।

कियारा की लाइफ से जुड़ी 10 दिलचस्प बातें, जो आपको हैरान कर देंगी!

अगर आप भी सफेद कपड़ों के पीलेपन की परेशानी से जूझ रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सफेद कपड़े पीले क्यों पड़ते हैं और इन कपड़ों को पीलेपन से कैसे बचाया जा सकता है।

सफेद कपड़े पीले पड़ने के कारण

शरीर के पसीने के आने के संपर्क में आने से।

लंबे समय तक कपड़े फोल्ड करके रहने से।

बॉडी ऑयल के संपर्क में आने से कपड़े पीले पड़ सकते हैं।

एनवायर्नमेंटल टॉक्सिन्स के संपर्क में आने से भी कपड़े पीले पड़ सकते हैं।

फैब्रिक सॉफ्टनर का अधिक इस्तेमाल करने से।

कई बार डिटर्जेंट का अधिक इस्तेमाल ने से भी कपड़े पीले पड़ सकते हैं।

परफ्यूम या डियोडेरेंट के दाग लगने से कई बार कपड़े पीले पड़ सकते हैं।

केमिकल या खारे वाले पानी का इस्तेमाल करने से।

लंबे समय तक कपड़ों को धूप नहीं दिखाने से कपड़े पीले पड़ सकते हैं।

जरूरत से ज्यादा क्लोरीन ब्लीच का इस्तेमाल करने से।

सफेद कपड़ों को पीला पड़ने से ऐसे बचाएं

खराब और सस्ते क्वालिटी के डिटर्जेंट का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

सफेद कपड़ों को रंगीन कपड़ों से अलग धोना चाहिए।

सफेद कपड़ों को धोने से पहले करीब 2 घंटे गर्म पानी में भिगोना चाहिए।

इन कपड़ों पर खासतौर पर सफेद डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें।

अगर कपड़े पर पहले से कोई दाग है, तो स्टेन रिमूवर लगाकर 30 मिनट के लिए छोड़ दें।

सफेद कपड़ों को धोने के लिए पानी में डिटर्जेंट के साथ दो ढक्कन व्हाइट ब्लीच डालें।

सफेद कपड़ों को भिगोने से पहले ब्रश से स्टेन को साफ करें और इसके बाद गर्म पानी में भिगोएं।

कपड़ों को धुलने के बाद उनको पड़ा न रहने दें, बल्कि इन्हें फौरन सुखाएं।

कपड़ों को सीधे धूप में सुखाना चाहिए, क्योंकि सफेद कपड़ों का रंग जाने का डर नहीं होता है।

जो लोग रेगुलर सफेद कपड़े नहीं पहनते हैं, तब भी उनको महीने में एक बार धोकर सुखाकर रखें।

सफेद कपड़ों से पीलापन दूर करने के हैक्स

बेकिंग सोडा

नेचुरल क्लीनर की तरह कपड़ों की चमक वापस लौटाता है।

व्हाइट विनेगर

व्हाइट विनेगर पीले और जिद्दी दाग व बदबू को हटाने में काफी असरदार होता है।

नमक और नींबू

नमक और नींबू के ब्लीचिंग इफेक्ट से कपड़े साफ दिखते हैं।